

राष्ट्रीय सहारा
20.01.2022

श्रीलंका के वनाधिकारियों को हाई टेक नर्सरी का प्रशिक्षण

देहरादून (एसएनबी)। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में श्रीलंका के वन विभाग के अधिकारियों के लिए चार दिवसीय हाई टेक वन नर्सरी पर अभ्यासी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

वर्चुअली आयोजित कार्यक्रम में श्रीलंका के 53 वनाधिकारी भाग ले रहे हैं। आईसीएफआरई के महानिदेशक अरुण सिंह रावत ने वतौर मुख्य

अतिथि इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने वानिकी व पर्यावरण के क्षेत्र में क्षमता विकास कार्यक्रमों के माध्यम से भारत और उसके पड़ोसी देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग व ज्ञान साझा करने का आह्वान किया। उन्होंने वनरोपण कार्यक्रमों के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए हाई टेक वन नर्सरी की स्थापना की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

कोलंबो के उच्चायोग में भारत के उप उच्चायुक्त विनोद के जैकब ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दावोस संदेश विशेष रूप से स्वच्छ, हरित, दीर्घकालिक व विश्वसनीय विकास के लिए 25 साल की अवधि की ओर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने भारत

सरकार की नीतियों पर जोर दिया, जिसका उद्देश्य ज्ञान का द्विपक्षीय आदान-प्रदान करना वानिकी व

पर्यावरण अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग करना है। श्रीलंका वन विभाग के वन संरक्षक जनरल डा. केएमए वंडारा ने इस पाठ्यक्रम को आयोजित करने के लिए भारत सरकार व आईसीएफआरई का धन्यवाद किया। इससे पहले सिल्विकलचर डिविजन के प्रमुख आरपी सिंह ने सभी का स्वागत किया। डा.मनीषा थपलियाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

■ आईसीएफआरई के महानिदेशक ने वर्चुअली किया कार्यक्रम का शुभारंभ

FRI Organizing Virtual Training Programme On High-Tech Forest Nurseries



Dehradun (The Hawk): Forest Research Institute under the Indian Council of Forestry Research and Education, Dehradun is organizing a Virtual training Programme on High-Tech Forest Nurseries for Officials of Sri Lanka Forest Department from 18th to 21st January 2022. The course is being organized on the request of the Sri Lanka Forest Department through Ministry of External Affairs and MoEF&CC.

Shri RP Singh Head Silviculture division FRI welcomed the dignitaries and gave an outline of the course which will be covering the different topics like High-tech nursery; Site selection, Establishment, Design and Layout, Modern Infrastructure and facilities, Nursery operations and production of quality planting stock of forestry species in high tech nursery, forest seed

technology, Vegetative propagation and tissue culture techniques for production of quality planting material, Soil and nutrient management techniques, Water management techniques in nurseries, diseases and insect pest management, Modern techniques of Production of Quality Planting Material (QPM) of Major Plantation species of Sri Lanka, Restoration and Conservation of native Mangrove species, Production of quality planting material of Medicinal Plants

The Chief Guest of the inaugural function of the training programme was Shri Arun Singh Rawat, DG, ICFRE who called for close co-operation and knowledge sharing between India and its neighbouring countries through the capacity development programmes in the field of forestry and



environment. He further highlighted the role of establishment of High-tech forest nurseries for mass production of quality planting material for afforestation/reforestation programmes.

Mr. Vinod K. Jacob, Deputy High Commissioner of India at High Commission in Colombo flagged PM Narendra Modi's Davos message, in particular the call for 25 year period of growth that is clean, green, sustainable and reliable. He emphasized on the policies of the Indian Government which aim at bilateral exchange of knowledge, cooperation in not only strategic, economic but also in field of

GIS and Remote sensing, Forestry and Environment research. Dr. KMA Bandara, Conservator General of Forest, Sri Lanka Forest Department also spoke on this occasion. He thanked the Indian Government and ICFRE for conducting the course for the Sri Lanka Forest Department and said that he looked forward to more practically-oriented trainings for the department in various other fields. The course of being attended by 53 officials of the rank of Conservators, DFOs, Range officers, Beat Forest Officer, Forest Extension Officers. Dr. Manisha Thapliyal, Coordinator of the training proposed a vote of thanks to the virtual gathering.

उत्तर भारत लाईव
20.01.2022

श्रीलंका वन विभाग के अधिकारियों को दिया हाईटेक वन नर्सरी का प्रशिक्षण

उत्तर भारत लाईव ब्यूरो

uttarbharatlive.com

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद देहरादून के तहत वन अनुसंधान संस्थान 18 से 21 जनवरी तक श्रीलंका वन विभाग के अधिकारियों के लिए हाईटेक वन नर्सरी पर एक आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। विदेश मंत्रालय के माध्यम से श्रीलंका वन विभाग के अनुरोध पर पाठ्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आरपी सिंह प्रमुख सिल्विकल्चर डिप्टीजन एफआरआई ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और पाठ्यक्रम की रूपरेखा दी जिसमें हाईटेक नर्सरी और विभिन्न विषयों साइट चयन, स्थापना, डिजाइन और लेआउट, आधुनिक बुनियादी ढांचा और सुविधाएं, नर्सरी संचालन और गुणवत्ता का उत्पादन उच्च तकनीक वाली नर्सरी में वानिकी प्रजातियों का रोपण स्टॉक वन बीज प्रौद्योगिकीए गुणवत्ता रोपण सामग्री के उत्पादन के लिए वनस्पति प्रसार और ऊतक संवर्धन तकनीकए मिट्टी और पोषक तत्व प्रबंधन तकनीक, नर्सरी में जल प्रबंधन तकनीक, रोग और कीट प्रबंधन, उत्पादन की आधुनिक तकनीकें श्रीलंका की प्रमुख वृक्षारोपण प्रजातियों की गुणवत्ता रोपण सामग्री



» 18 से 21 जनवरी तक आयोजित हो रहा कार्यक्रम

देशी मैंग्रोव प्रजातियों की बहाली और संरक्षणए औषधीय पौधों की गुणवत्ता रोपण सामग्री का उत्पादन को भी शामिल किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि अरुण सिंह रावत महानिदेशक आईसीएफआई ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए वानिकी और पर्यावरण के क्षेत्र में क्षमता विकास कार्यक्रमों के माध्यम से भारत और उसके पड़ोसी देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग और ज्ञान साझा करने का आह्वान किया। उन्होंने वनरोपणघवनरोपण कार्यक्रमों के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए हाईटेक वन नर्सरी की स्थापना की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। कोलंबो के उच्चायोग में भारत के

उप उच्चायुक्त श्री विनोद के जैकब ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के दावोस संदेशए विशेष रूप से स्वच्छ हरितए दीर्घकालिक और विश्वसनीय विकास के 25 साल की अवधि की ओर ध्यानकेंद्रित किया। इस अवसर पर श्रीलंका वन विभाग के वन संरक्षक जनरल डॉ केएम बंडारा ने भी बात की। उन्होंने श्रीलंका वन विभाग के लिए पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए भारत सरकार और आईसीएफआई को धन्यवाद दिया और कहा कि वह विभिन्न अन्य क्षेत्रों में विभाग के लिए अधिक व्यावहारिक रूप से उन्मुख प्रशिक्षण की आशा करते हैं। कार्यक्रम में संरक्षकए डीएफओ रेंज अधिकारीए बीट वन अधिकारी वन विस्तार अधिकारी रैंक के 53 अधिकारी शामिल हुए। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ मनीषा थपलियाल ने वचुंअल सभा की धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

शाह टाइम्स
20.01.2022

श्रीलंका वन विभाग के अफसरों को एफआरआई दे रहा प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद, देहरादून के तहत वन अनुसंधान संस्थान 18 से 21 जनवरी तक श्रीलंका वन विभाग के अधिकारियों के लिए हाई-टेक वन नर्सरी पर एक आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है।

विदेश मंत्रालय और एमआईएफएफ सौसे के माध्यम से श्रीलंका वन विभाग के अनुरोध पर पाठ्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आरपी सिंह प्रमुख सिल्विकल्चर डिवाजन एक आरआई ने व्यक्तियों का स्वागत किया और पाठ्यक्रम की रूपरेखा दी जिसमें हाई-टेक नर्सरी और विभिन्न विषयों: सॉफ्ट चयन, स्थापना, डिजाइन और लैंडाउट, आधुनिक बुनियादी ढांचा और सुविधाएँ, नर्सरी संचालन और गुणवत्ता का उत्पादन उच्च तकनीक वाली नर्सरी में वानिकी प्रजातियों का रोपण स्टॉक, वन बीज



हाई-टेक वन नर्सरी पर आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 जनवरी तक चलेगा

श्रीलंका, गुणवत्ता रोपण सामग्री के उत्पादन के लिए वनस्पति प्रसार और ऊतक संवर्धन तकनीक, मिट्टी और पोषक तत्व प्रबंधन तकनीक, नर्सरी में जल प्रबंधन तकनीक, रोग और कीट प्रबंधन, उत्पादन की आधुनिक तकनीकों श्रीलंका की प्रमुख वृक्षारोपण प्रजातियों की गुणवत्ता रोपण सामग्री (बसुपीएम), देशी मैंग्रोव प्रजातियों को बहाली और संरक्षण, औषधीय पौधों की गुणवत्ता रोपण सामग्री का उत्पादन को भी शामिल किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि अरुण सिंह रावत, महानिदेशक, आईसीएफआरई ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए वानिकी और परिवारण के क्षेत्र में क्षमता विकास कार्यक्रमों के माध्यम से भारत और उसके पड़ोसी देशों के बीच पवित्र सहयोग और जन साझा करने का आह्वान किया। उन्होंने वनरोपण/वनरोपण कार्यक्रमों के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए हाई-टेक वन नर्सरी की स्थापना की भूमिका पर

भी प्रकाश डाला। कोलंबो के उच्चायोग में भारत के उप उच्चायुक्त विनोद के जैकब ने प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के दायेंस संदेश, विशेष रूप से स्वच्छ, हरित, दीर्घकालिक और विश्वसनीय विकास के 25 साल की अवधि की ओर ध्यानकेंद्रित किया। उन्होंने भारत सरकार की नीतियों पर जोर दिया, जिसका उद्देश्य जन के द्विपक्षीय आदान-प्रदान, न केवल रणनीतिक, अर्थिक बल्कि जीआईएस और रिमोट सेंसिंग, वानिकी और परिवारण अनुसंधान के क्षेत्र में भी सहयोग करना है। इस अवसर पर श्रीलंका वन विभाग के वन संरक्षक जनरल डॉ. केएमए बंधारा ने भी बात की। कार्यक्रम में संरक्षक, डीएफओ, रैंज अधिकारी, वोट वन अधिकारी, वन विस्तार अधिकारी रैंक के 53 अधिकारी शामिल हुए। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ मनीषा शर्मापाल ने धर्तुअल सभा को धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

अमर उजाला

20.01.2022

एफआरआई में नर्सरी के गुर सीख रहे श्रीलंका के वनाधिकारी

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। श्रीलंका में हाईटेक नर्सरियों को बढ़ावा दिया जा सके इसके लिए विदेश मंत्रालय और केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देश पर वन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों की ओर से अनूठी पहल की गई है। वन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीलंका के वनाधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। हालांकि कोरोना संक्रमण के चलते ऑनलाइन शिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए आईसीएफआरआई के महानिदेशक व वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक अरुण सिंह रावत ने कहा कि वानिकी एवं पर्यावरण के क्षेत्र में क्षमता विकास कार्यक्रमों के जरिए भारत अपने पड़ोसी देशों को तकनीक साझा करने के साथ ही जानकारियां मुहैया करा रहा है। श्रीलंका समेत पड़ोसी देशों में हाईटेक नर्सरी की स्थापना की जा सके, इसके लिए संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा हर संभव मदद की जा रही है। ऑनलाइन

विदेश मंत्रालय और वन मंत्रालय के
संयुक्त तत्वावधान में चल रहा है
चार दिवसीय विशेष प्रशिक्षण

प्रशिक्षण के दौरान कोलंबो के उच्चायोग में भारत के उप उच्चायुक्त विनोद के जैकब ने पीएम मोदी के दावोस संदेश की जानकारी देने के साथ ही स्वच्छ, हरित, दीर्घकालिक एवं विश्वसनीय विकास के 25 साल की अवधि की ओर से ध्यान केंद्रित किया।

कार्यक्रम में श्रीलंका वन विभाग के वन संरक्षक डॉ. केएमए बंडारा ने श्रीलंका के वनाधिकारियों के लिए पाठ्यक्रमों का आयोजन करने को लेकर भारत सरकार और आईसीएफआरआई का धन्यवाद किया। वन अनुसंधान संस्थान के सिल्वीकल्चर डिवीजन के प्रमुख आरपी सिंह ने हाईटेक नर्सरी से जुड़े पहलुओं मसलन स्थान का चयन, लेआउट के साथ ही गुणवत्ता के साथ पौधों का उत्पादन, बीज प्रौद्योगिकी, मिट्टी की जांच, नर्सरी में जल प्रबंधन प्रबंधन, उत्पादन की आधुनिक तकनीक की विस्तार से जानकारी दी।

दैनिक जागरण
20.01.2022

एफआरआइ से नर्सरी के गुर सीख रहा श्रीलंका का वन विभाग

जागरण संवाददाता, देहरादून : श्रीलंका के वन विभाग के अधिकारियों को देहरादून का वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) हाई-टेक नर्सरी के गुर सिखा रहा है। इसके लिए भारत के विदेश मंत्रालय व पर्यावरण वन एवं जलवायु मंत्रालय के माध्यम से चार दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण शुरू किया गया है।

प्रशिक्षण का उद्घाटन करते हुए वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आइसीएफआरई) के महानिदेशक एएस रावत ने कहा कि भारत हमेशा पड़ोसी देशों के साथ क्षमता विकास संबंधी कार्यों को लेकर आग्रणी भूमिका निभाता है। वहीं, कोलंबो के उच्चायोग में भारत के उप

उच्चायुक्त विनोद के जैकब ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पर्यावरण संरक्षण के दीर्घकालिक मिशन पर प्रकाश डाला।

श्रीलंका के फारेस्ट कंजर्वेटर जनरल डा. केएम बंडारा ने श्रीलंका के वन विभाग के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने पर आभार व्यक्त किया। प्रशिक्षण पर प्रकाश डालते हुए वन अनुसंधान संस्थान के सिल्वीकल्चर डिविजन के प्रमुख आरपी सिंह ने बताया कि श्रीलंका के वन विभाग के अधिकारियों को साइट चयन, स्थापना, डिजाइन, ले-आउट, आधुनिक बुनियादी ढांचा, रोपण स्टाक, बीज प्रौद्योगिकी आदि की जानकारी दी जा रही है।

FRI organizes virtual training program on High-Tech Forest Nurseries for Officials of Sri Lanka Forest Dept

DEHRADUN, JAN 19 (HTNS): Forest Research Institute under the Indian Council of Forestry Research and Education, Dehradun is organizing a Virtual Training Programme on High-Tech Forest Nurseries for Officials of Sri Lanka Forest Department from 18 to 21 January. The course is being organized on the request of the Sri Lanka Forest Department through Ministry of External Affairs and MoEF&CC.

RP Singh Head Silviculture Division FRI welcomed the dignitaries and gave an outline of the course which will be covering the different topics like High-Tech nursery: Site selection, Establishment, Design and Layout, Modern Infrastructure and facilities, Nursery operations and production of quality planting stock of forestry species in high tech nursery, forest seed technology, Vegetative propagation and tissue culture techniques for production of quality planting material, Soil and nutrient management techniques, Water management techniques in nurseries, diseases and



insect pest management, Modern techniques of Production of Quality Planting Material (QPM) of Major Plantation species of Sri Lanka, Restoration and Conservation of native Mangrove species, Production of quality planting material of Medicinal Plants.

The Chief Guest of the inaugural function of the training programme was Arun Singh Rawat, DG, ICFRE who called for close co-operation and knowledge sharing between India and its neighbouring countries through the capacity development programmes in the field of forestry and environment. He further

highlighted the role of establishment of High-tech forest nurseries for mass production of quality planting material for afforestation/reforestation programmes.

Vinod K. Jacob, Deputy High Commissioner of India at High Commission in Colombo flagged PM Narendra Modi's Davos message, in particular the call for 25 year period of growth that is clean, green, sustainable and reliable. He emphasized on the policies of the Indian Government which aim at bilateral exchange of knowledge, cooperation in not only strategic, economic but also in field of GIS and Remote sensing,

Forestry and Environment research.

Dr. KMA Bandara, Conservator General of Forest, Sri Lanka Forest Department also spoke on this occasion. He thanked the Indian Government and ICFRE for conducting the course for the Sri Lanka Forest Department and said that he looked forward to more practically-oriented trainings for the department in various other fields. The course is being attended by 53 officials of the rank of Conservators, DFOs, Range officers, Beat Forest Officer, Forest Extension Officers. Dr. Manisha Thapliyal, Coordinator of the training proposed a vote of thanks.

I-Next
20-01-2022

श्रीलंका का वन महकमा सीख रहा एफआरआई में नर्सरी के गुरु

पर्यावरण वन
एवं जलवायु
मंत्रालय के
माध्यम से
चार दिवसीय
वर्चुअल
प्रशिक्षण शुरू



DEHRADUN (19 Jan): श्रीलंका के वन विभाग के अधिकारियों को देहरादून का वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) हाई-टेक नर्सरी के गुरु सिखा रहा है. इसके लिए भारत के विदेश मंत्रालय व पर्यावरण वन एवं जलवायु मंत्रालय के माध्यम से चार दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण शुरू किया गया है.

कई तरह की जानकारी साझा प्रशिक्षण का उद्घाटन करते हुए वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआई) के महानिदेशक एस रवत ने कहा कि भारत हमेशा पड़ोसी देशों के साथ क्षमता विकास संबंधी कार्यों को लेकर आग्रणी भूमिका

निभाता है. वहीं, कोलंबो के उच्चायोग में भारत के उप उच्चायुक्त विनोद के जैकब ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पर्यावरण संरक्षण के दीर्घकालिक मिशन पर प्रकाश डाला. श्रीलंका के फारेस्ट कंजर्वेटर जनरल डा. केएम बंडारा ने श्रीलंका के वन विभाग के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने पर आभार व्यक्त किया. प्रशिक्षण पर प्रकाश डालते हुए एफआरआई के सिल्वीकल्चर डिविजन के प्रमुख आरपी सिंह ने बताया कि श्रीलंका के वन विभाग के अधिकारियों को सस्टेबल वन, स्थापना, डिजाइन, ले-आउट, आधुनिक बुनियादी ढांचा, रोपण स्टक, बीज प्रौद्योगिकी आदि की जानकारी दी जा रही है.

श्रीलंका के फारेस्ट कंजर्वेटर जनरल डा. केएम बंडारा ने श्रीलंका के वन विभाग के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने पर आभार व्यक्त किया.